Centre For Community Economics and Development Consultants Society

CECOEDECON

AGRO ACTION, DEVELOPMENT CENTRE, SHILKI DUNGARI, CHAKSU - 303901
DISTRICT-JAIPUR, RAJASTHAN, INDIA • TELEPHONE NO. 91-1429-44248/44074
TELEFAX:91-1429-44074 • E-Mail : sharad@jp1.dot.net.in / cecto@datainfosys.net

विषय : अपराईजर हाई-ग्रोथ के विषय में कुछ शब्द।

महोदय,

हमने अपराईजर हाई–ग्रोथ का इस्तेमाल करके देखा है और हमने पाया कि अपराईजर हाई–ग्रोथ वास्तव में फसलों, पेड़ों और सब्जियों के लिए एक सही और सन्तुलित मिश्रण है, इससे भूमि से नष्ट होते पोषक तत्वों की पूर्ति की जा सकती है।

यह प्राकृतिक खाद इस्तेमाल करने में भी बिल्कुल आसान है। इसे बुवाई या रोपाई से पहले मृदा में मिला देना चाहिए या फिर बुवाई की गयी फसल पर छींट कर निराई कर देनी चाहिये। अपराईजर हाई–ग्रोथ की विभिन्न कीटों जैसे हरा तेला, मोयला, टोका, पत्ती व छाल भक्षक कीट रोग, फल छेदक कीट आदि कीट जनित बीमारियों की रोकथाम में भी इस खाद की अहम भूमिका पाई गई है। भूमि में अपराईजर हाई–ग्रोथ मिलाने से अपराईजर पौधों में पानी को जड़ों के पास संचय कर रखता है तथा भूमि का तापमान नियन्त्रित रखता है। अपराईजर मृदा में मिलाने के बाद लम्बे समय तक क्रियाशील रहता है। इसे एक फसल में इस्तेमाल करने के बाद अगली फसल में भी इसका प्रभाव देखने में आया है। इसको दूसरे खाद व उर्वरकों के साथ भी इस्तेमाल किया जा सकता है तथाइसे फलदार, फूलदार व हर प्रकार के पौधों में प्रयोग किया जा सकता है।

हमने अपराईजर हाई–ग्रोथ का प्रयोग अनाज, दलहन, तिलहन व सकरकरा वाली फसलों में तथा सब्जियों और फल जैसे कि नींबू, अमरूद, गोभी, आलू आदि में किया है तथा इससे बहुत ही अच्छे प्रभाव सामने आये है।

रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से भूमि धीरे–धीरे पूरी तरह से नष्ट हो जाती है। मगर अपराईजर हाई–ग्रोथ के प्रयोग से मृदा की उर्वरा शक्ति को बरकरार रखा जा सकता है।

रामवीर सिंह
(कार्य इन्चार्ज)
(CECODECON)